थारी मुरली मनड़ो मोयो कान्हा और बजाओ थारी मुरली ने

थारी मुरली मनड़ो मोयो कान्हा,
और बजाओ थारी मुरली ने।bd।

आ मुरली मीरा नै मोई,
राणा जी ने छोड़ मीरा राम संग होई,
मेड़तिया छीटकायो काना,
और बजाओ थारी मुरली ने।bd।

इण मुरली ने नरसी मोई,
सरवर पाल खड़ी नानी बाई रोई,
आ के भात भरायो काना,
और बजाओ थारी मुरली ने।bd।

इण मुरली ने द्रोपती मोई,
भरी सभा में झुर झुर रोई,
आ के चीर बढ़ाया कान्हा,
और बजाओ थारी मुरली ने।bd।

काना लागा रे पेरवा,
ब्रह्मलोक में हुई सेवना,
ब्रह्म रो वेद भुलायो कान्हा,
और बजाओ थारी मुरली ने।bd।

अबके करोनी आवण री देरी,
ओलबा लिख शीव बिकानेरी,
करीयोड़ा कवल निबाओ कान्हा,
और बजाओ थारी मुरली ने।bd।

थारी मुरली मनड़ो मोयो कान्हा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

और बजाओ थारी मुरली ने।bd।

गायक – सत्यनारायण जी शर्मा।
प्रेषक – सुभाष सारस्वा काकड़ा
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com